वित्तीय वर्ष 2020–21 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 की बजट घोषणा संख्या 132 ''राज्य में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति लागू की जायेगी'' की अनुपालना में राज्य की बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति का अनुमोदन माननीय मुख्यमंत्री महोदय से करवा लिया गया है।

- बजट घोषणा संख्या 163 वित्तीय वर्ष 2020–21 ''भरतपुर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का क्षेत्रीय विज्ञान पार्क खोला जायेगा'' की अनुपालना के क्रम में भरतपुर में क्षेत्रीय कार्यालय खोलने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय से अनुमोदन प्राप्त कर प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है।

- विभाग द्वारा दिनांक 13–28 फरवरी, 2020 तक विज्ञानोत्सव का आयोजन क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जयपुर में किया गया, जिसमें 5000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- विभाग द्वारा राज्य में शोध एवं अनुसंधान, वैज्ञानिक पत्रकारिता एवं उद्यमिता के क्षेत्र में युवाओं को बढ़ावा देने के लिए राशि रू. 8.25 लाख के STRIDE (साइंस टेक्नोलॉजी रिसर्च इनोवेशन डिजाइन एन्टरप्रन्योरशिप) पुरस्कार दिनांक 28 फरवरी, 2021 को दिए जाएंगे।

- विभाग में राज्य के लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योगों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार से सम्बन्धित सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केन्द्र प्रारम्भ किया गया है।

- विभाग द्वारा कोविड–19 महामारी से बचाव के लिए एवं आमजन को जागरूक करने के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों एवं चिकित्सकों के 07 वेबीनार आयोजित किए गए।

- विभाग द्वारा राज्य के विज्ञान संकाय के 73 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को माह मई–सितम्बर, 2020 तक भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में ई–इन्टर्नशिप करवाई गई।

- विभाग द्वारा राज्य के जैव विविधता बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में 10 विद्यार्थियों को जैव विविधता परियोजना स्वीकृत किए गए।

- राज्य के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए फैलोशिप, रोजगार के अवसर, ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन फैलोशिप शोध एवं अनुसंधान के नवीन क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करने के लिए 19–21 नवम्बर, 2020 तक भारत के 18 प्रतिष्ठित संस्थानों के वेबीनार आयोजित किए गए।

वित्तीय वर्ष 2019–20 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- राजस्थान में असम,त्रिपुरा एवं मेघालय के बाद महिला उद्यमियों का आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं द्वारा स्टार्ट अप प्रोत्साहित करने के लिये 'हर एण्ड नाउ' कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

- विभाग द्वारा राज्य की आईपीआर पॉलिसी 2019 के तहत राज्य के समस्त विश्वविद्यालयों /महाविद्यालयों को बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति का प्रारूप लागू करने के लिए प्रदान किया गया।

- बौद्धिक सम्पदा अधिकार सम्बन्धी सुविधाएं प्रदत्त करने के लिए, राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों की महिला शोधकर्ताओं को दिनांक 29–30 नवम्बर, 2019 कार्याशाला आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया।

- राज्य के 50 शोधकर्ताओं एवं औद्योगिक विशेषज्ञों को एक्सचेंज प्रोगाम के तहत अवसर प्रदान करने के लिये औद्योगिक–अकादमिक सहयोग कार्यक्रम लागू किया गया।

- राज्य में वैज्ञानिक पत्रकारिता, विज्ञान प्रसार को बढ़ावा देने के लिए 150 पत्रकारों, शोधार्थियों, पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तर की कार्यशाला दिनांक 21–22 नवम्बर, 2019 को जयपुर में आयोजित की गयी।

- विभाग द्वारा उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय बाल विज्ञान काग्रेंस में चयनित 30 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान काग्रेंस में जाने का एवं कार्या प्रोगाम के तहत कुल 27 विद्यार्थियों को राशि 7.56 लाख रू फैलोशिप प्रदान कर राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में एवं 13 विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में इन्टर्नशिप का अवसर प्रदान किया गया।

वित्तीय वर्ष 2018–19 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र अजमेर की स्थापना हेतु भारत सरकार से सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त हो चुकी है और उसका शिलान्यास किया जा चुका है।

- विद्यार्थियों में सांईस, टेक्नोलॉजी, इंजिनियरिंग, गणित के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए प्रथम चरण में 71 सरकारी मॉडल स्कूलों में स्टार्टअप बूट क्लब स्थापित कर दिये गये है।

- राज्य के विभिन्न तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में राशि रूपये 298.00 लाख (दो करोड़ अठयानवे लाख मात्र) से रूरल एवं बायोटेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर एवं संबंधित गतिविधियों हेतु सहायतार्थ अनुदान प्रदान किया जा चुका है।

- पेटेन्ट इन्फोर्मेशन केन्द्र को भारत सरकार के औद्योगिक नीति एवं सर्वंधन विभाग के अधीन कार्यरत सैल फॉर आई.पी.आर. प्रमोशन एवं मेनेजमेन्ट द्वारा पेटेन्ट गतिविधियों को बढाने के लिए टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन सपोर्ट सेन्टर (टिस्क) स्वीकृत किया जा चुका है।

- राज्य के पाँच राजकीय विश्वविद्यालयों में वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए आई.पी.आर. सैल का गठन किया गया है।

- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान एंव विकास परियोजनाओं तथा कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

- क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर में न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया की सहायता से न्यूक्लियर पॉवर गैलरी की स्थापना का कार्य प्रगतिरत है।

- बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार के सहायोग से स्किल कार्यक्रम प्रारम्भ किये जाएंगे।

- विभाग के स्टेट रिमोट सेंसिंग कार्यालय, जोधपुर में इसरों के सहयोग से भुवन सर्वर नोड प्राप्त कर लिया गया है। इसकी सहायता से राज्य के विभिन्न विभागों के लिए रिमोट सेंसिंग डेटा आधारित एप्लीकेशन विकसित की जाएंगी।

वित्तीय वर्ष 2017–18 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया।
- राजस्थान जैव प्रौद्योगिकी नीति 2015 को कार्यान्वित करने के लिए प्रयास किये जा रहे है।
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान एंव विकास परियोजनाओं तथा कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।
- विभाग द्वारा भारत सरकार द्वारा जारी IPR पॉलिसी 2016 के उद्देश्यों के तहत PIC सेल का सुदृढीकरण के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।
- उदयपुर में उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की स्थापना प्रक्रियाधीन है।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र को अल्प आय वर्ग के मेधावी छात्र–छात्राओं को उपग्रह संचार तंत्र (सैटकॉम) के माध्यम से इंजिनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग प्रदान की जा रही है।
- इसरो (ISRO) द्वारा प्रायोजित कृषि उपज क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का सीमाकंन एवं उत्पादन संबंधित कार्यो में वैज्ञानिक तकनीक का प्रयोग किया जायेगा।
- विश्वविद्यालय आईपी मीट राष्ट्रीय आई.पी.आर.पॉलिसी 2016 के उद्देश्य के अनुरूप, विश्वविद्यालय स्तर पर आई.पी.गतिविधियों को बढावा देने के लिए,भारत सरकार के सहयोग औद्यौगिक एवं प्रर्दशन विभाग से विश्वविद्यालय आईपी बैठक का आयोजन दिनांक 28.07.2017 को जयपुर में किया गया।
- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विभाग के सहयोग से जयपुर में डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आधारित सरदार भल्लब भाई पटेल चल प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री महोदया द्वारा दिनांक 15.01.2018 को किया गया। यह प्रदर्शनी यूवा वर्ग विद्यार्थियों एवं आमजन के लिए दिनांक 15.02.2018 तक निशुल्क रूप से देखने के लिए उपलब्ध रहेगी।
- जैव प्रौद्योगिकी नीति 2015 के क्रियान्वयन के क्रम में एक दिवसीय कार्यशाला राजस्थान ऑन रोड टू बायोटेक्नोलॉजी का सफल आयोजन दिनांक 20.09.2017 को माननीय मंत्री महोदया विप्रौ द्वारा जयपुर में किया गया।
- विभाग द्वारा रूरल एवं बायोटेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर स्थापित करने से संबंधित 182 लाख रू की वित्तिय सहायता के प्रस्ताव मंजूर किये जा चुके है एवं वित्तिय वर्ष की समाप्ति तक कुल राशि 320 लाख की वित्तिय सहायता इस प्रयोजन हेतु जारी कर दी जायेगी।
- क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर में टेक्नोलॉजी आधारित तारामंडल आदि सुविधाओं का अपग्रेडेशन किया गया जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है।

वित्तीय वर्ष 2016–17 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया।
- राज्य के अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग तथा मेडिकल में प्रवेश परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाने एवं विज्ञान शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सैटकॉम नेटवर्क के व्याख्यानों का राज्य के सभी विज्ञान वर्ग के विद्यालयों में भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणी शास्त्र विषय के विषय वस्तुवार मॉड्यूल्स वितरण किया गया। साथ ही सैटकॉम परियोजना की पृथक वेबसाईट बनाई जा चुकी है जिसमें विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों के विजुअल एवं ई–कण्टेंट अपलोड किये गये।
- राजस्थान जैव प्रौद्योगिकी नीति 2015 को कार्यान्वित करने के लिए प्रयास किये जा रहे है।
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान एंव विकास परियोजनाओं तथा कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।
- विभाग द्वारा भारत सरकार द्वारा जारी IPR पॉलिसी 2016 के उद्देश्यों के तहत PIC सेल का सुदृढीकरण के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।
- उदयपुर में उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की स्थापना प्रक्रियाधीन है।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र को अल्प आय वर्ग के मेधावी छात्र–छात्राओं को उपग्रह संचार तंत्र (सैटकॉम) के माध्यम से इंजिनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की कोचिंग कक्षाऐं जिला परिषद् एवं पंचायत समिति स्तर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (विज्ञान संकाय) के 233 केन्द्रों पर स्थित केन्द्रों पर दी जा रही है। बजट घोषणा 186 के अन्तर्गत सैटकॉम नेटवर्क का विस्तार राज्य के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों (विज्ञान संकाय) में किया जाना है।
- इसरो (ISRO) द्वारा प्रायोजित कृषि उपज क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का सीमाकंन एवं उत्पादन संबंधित कार्यो में वैज्ञानिक तकनीक का प्रयोग किया जायेगा।

वित्तीय वर्ष 2015–16 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विभाग द्वारा जयपुर में अखिल भारतीय स्तर पर साईन्स कन्कलेव का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न राज्यों की विज्ञान परिषदों ने भाग लिया।
- अलवर में युवा वैज्ञानिक इमरान खान द्वारा समाजोपयोगी मोबाईल एप विकसित करने पर माननीय मंत्री महोदय, विप्रौ, द्वारा प्रोत्साहन राशि के साथ समारोह पूर्वक सम्मानित किया गयां
- राजस्थान जैव प्रौद्योगिकी नीति 2015 जारी की गई।
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान एंव विकास परियोजनाओं तथा कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।
- नर्मदा केनाल परिक्षेत्र में बाढ द्वारा हुए नुकसान की पहचान एवं उपचार में अंतरिक्ष तकनीक का प्रयोग।
- विभाग द्वारा राज्य में प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकी व्यवसाय इन्क्यूवेटर केन्द्र (TBI) एवं जीविका व्यवसाय इन्क्यूवेटर (LBI) स्थापित करने हेतु केन्द्र सरकार से समन्वय कर स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया की जा रही है।
- प्रदूषित पेय जल की समस्या से निजात पाने के लिए विभाग द्वारा सामुदायिक R.O संयंत्र स्थापित किए जा रहे है जिससे कि पेय जल में उपस्थित हानिकारक फ्लोराईड आदि तत्वों से राज्य की जनता को निजात मिल सकें।

वित्तीय वर्ष 2014–15 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- विद्यार्थियों में विज्ञान प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस, राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया।
- राज्य के अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग तथा मेडिकल में प्रवेश परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाने एवं विज्ञान शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सैटकॉम नेटवर्क के व्याख्यानों का राज्य के सभी विज्ञान वर्ग के विद्यालयों में भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, गणित शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणी शास्त्र विषय के विषय वस्तुवार मॉड्यूल्स वितरण किया गया। साथ ही सैटकॉम परियोजना की पृथक वेबसाईट बनाई जा चुकी है जिसमें विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों के विजुअल एवं ई–कण्टेंट अपलोड किये गये।
- साईन्स पार्क, झालरापाटन (झालावाड़) में 15 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की गई।
- विज्ञान केन्द्र, कोटा में 10 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की गई।
- केन्द्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान भावनगर (गुजरात) के तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग से समुदाय द्वारा प्रबंधित रिवर्स ऑस्मोसिस संयंत्रों की प्रदर्शन इकाइयां की स्थापना की जा रही है।
- अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुसंधान एंव विकास परियोजनाओं तथा कार्यशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल उर्जा के प्रचार–प्रसार व जन सामान्य में जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर 100 किलोवाट क्षमता का रूफ टॉप ग्रिड कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र, विज्ञान केन्द्र कोटा में 10 किलोवाट क्षमता, विज्ञान पार्क झालावाड़ में 15 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये गये।
- उदयपुर में उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र स्थापित करने हेतु नेशनल कौंसिल ऑफ म्यूजियम से प्रस्ताव स्वीकृत कराये गये।

वित्तीय वर्ष 2013–14 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- प्रदेश में वैज्ञानिक वातावरण विकसित करने हेतु नैशनल कौंसिल ऑफ साईन्स म्यूजियम, कोलकात्ता के सहयोग से जोधपुर में उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र की स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया साथ ही विभाग द्वारा नवलगढ़ एवं झुंझुनू में विज्ञान उद्यान की स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया।
- विद्यार्थियों में विज्ञान प्रति रूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस, राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया।
- राज्य के अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग तथा मेडिकल में प्रवेश परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध करवाने एवं विज्ञान शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सैटकॉम नेटवर्क के 350 टर्मिनल स्थापित किये जा रहे है।
- राजस्थान मूल के विश्वविख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर डी. एस. कोठारी की स्मृति में प्रतिवर्ष, विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करने वाले राज्य के एक वैज्ञानिक को 5.00 लाख रूपये की राशि का विज्ञान श्रेष्ठता पुरूस्कार इस वर्ष आरम्भ किया गया।
- जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवीन उपकरणो से सुसज्जित प्रस्तावित अनुसंधान केन्द्र, जोधपुर की स्थापना हेतु प्रथम चरण की ''विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन'' तैयार किया जा रहा है।
- विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अभिरूचित जागृत करने, विज्ञान के अध्ययन को मनोरंजक बनाने विज्ञान के क्लिष्ट सिद्धान्तों को सरलतम आयाम दे कर विज्ञान अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5500 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित विज्ञान क्लबों में से 550 विज्ञान क्लबो का सुदृढ़ीकरण किया जाना प्रस्तावित है।
- सेट्रंल साल्ट एण्ड मेराइन केमीकल रिसर्च इंस्टीट्युट (CSMCRI) भावनगर के तकनीकी समन्वय से क्रियान्वित की जा रही एक्शन रिसर्च परियोजना के अन्तर्गत राज्य के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रो में 50 उच्च तकनीक आधारित रिवर्स ऑस्मोसिस संयंत्रो की स्थापना की जायेगी।
- राज्य निर्वाचन विभाग के सहयोग से सभी 200 विधान सभा क्षेत्रो के नक्शो का निर्माण पूर्ण किया गया, जिनका उपयोग विधानसभा चुनाव– 2013 में लिया गया।

वित्तीय वर्ष 2012–13 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- सेटेलाईट कम्यूनीकेशन नेटवर्क (सैटकॉम) के माध्यम से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में अल्प आय वर्ग के परिवारों के मेधावी छात्र/छात्राओं को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल में प्रवेश परीक्षा हेतु कोंचिग योजना का विस्तार किया गया।
- बॉयोगैस एनरिचमेंट एवं पावर जनरेशन फॉर रूरल एप्लीकेशन परियोजना अन्तर्गत राज्य की तीन गौशालाओं में बॉयोगैस एनरिचमेंट संयंत्रों की स्थापना पूर्ण की गई।
- जैव प्रौद्योगिकी के विस्तार हेतु संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की वर्तमान क्षमताओं का पारस्परिक जुडाव एवं संवर्धन।
- नैनो टैक्नोलॉजी सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना राजस्थान विश्वविद्यालय में की गई।
- राज्य में विद्यालयों की स्थिति का भू–सूचना पद्वति (GIS) तकनीक द्वारा निर्धारण।
- राज्य के सभी जिलों के मृदा उर्वरा एवं पौषक तत्वों की कमी संबंधित नक्शे जी.आई.एस. पर तैयार किये गयें।
- राज्य में पांच हजार विज्ञान क्लबों की स्थापना और जयपुर, जोधपुर में क्रमशः क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र एवं उप क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र स्थापित कर विज्ञान का लोकप्रियकरण।
- प्रदेश में वैज्ञानिक वातावरण विकसित करने हेतु राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एन.सी.एस.एम.) के समन्वय से क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र जयपुर की स्थापना की गई।